तिरुवनंतपुरम शैक्षणिक जिला

हिंदी कार्य-पत्रिका 2021-22

Thiruvananthapuram Educational District

कक्षा 10

WS2HN101

प्रश्न.1 'बीरबहूटी' पाठ का यह अंश पढें और नीचे दिए प्रश्नों के उत्तर लिखें।

रविवार का दिन था। साहिल अपने घर में नीम के पेड़ की डाली पकड़कर झूम रहा था। वह एक स्टूल पर चढ़कर झूलता था। अचानक टूटे स्टूल की एक कील साहिल की पिंडली में लग गई। एक इंच गहरा गड्ढा हो गया। उसे सरकारी अस्पताल में पट्टी बंधवाने के लिए ले जाया गया। उसने देखा कि दो लोगों को छोड़कर आगे बेला खड़ी है।

(1) साहिल को पट्टी बंधवाने के लिए कहाँ ले जाया गया?

- सरकारी अस्पताल में
- सरकारी स्कूल में
- डॉक्टर के घर में

....

(2) साहिल की पिंडली में कील कैसे लग गई? ....

(3) ' उसने ' में निहित सर्वनाम कौन–सा है ?

- वह
- यह
- वे

....

(4) साहिल की पिंडली में कील लगने से एक इंच गहरा गड्ढा हो गया। इसके बारे में बताते हुए साहिल ने अपने दोस्त को पत्र लिखा। वह पत्र कल्पना करके तैयार करें।

- वह भी पट्टी बंधवाने आई थी।
- स्टूल की एक कील मेरी पिंडली में लग गई।
- मुझे पट्टी बंधवाने के लिए सरकारी अस्पताल ले जाया गया।
- एक स्टूल पर चढ़कर उसकी डाली पकड़कर झूम रहा था।

स्थान,
तारीख

प्रिय मित्र,

कैसे हो? बहुत दिनों से तुम्हारी याद आ रही है।तुम सकुशल हो न? कल मेरे साथ एक हादसा हुआ। हमारे घर के सामने एक नीम का पेड़ है न? मैं.................................
....। अचानक टूटे.. एक इंच गहरा गड्ढा हो गया। हे भगवान! जानते हो कितना दर्द था ! फिर ....
..........................। जानते हो यार वहाँ किससे मिली? अरे !हमारी बेला से................।
तुम्हारी पढ़ाई कैसी चल रही है? कभी लिखा करो यार...

नाम ....
पता ....

तुम्हारा अपना,

हस्ताक्षर
साहिल

Thiruvananthapuram Educational District

प्रश्न.2

सूचना : निम्नलिखित खंड पढ़कर प्रश्नों के उत्तर लिखें।

बादल बहुत बरस लिए थे। फिर भी बहुत सारा पानी उनमें बचा हुआ था। वे खेतों, जंगलों के ऊपर छाए हुए थे। सारा आकाश मेघों से भरा था। मेघों की छायाओं में गीली हवाएँ इधर-उधर घूम रही थीं। पेड़ों के तने अभी भी गीले थे। मूँगफलियों के हरे खेतों में पीले फूल अभी भी गीले थे। खेतों में छोटा-छोटा बाजरा उगा था। बाजरे के लंबे पतले पातों में पानी की बूँदें अटकी हुई थीं। बारिश की हवा में गीले खेतों और बारिश की हरियाली की गंध घुली हुई थी।

(1) यहाँ किस मौसम का वर्णन किया गया है?

बसंत का

वर्षा का

ग्रीष्म का

....

(2) सही मिलान करें।

सारा आकाश	इधर-उधर घूम रही थीं।
गीली हवाएँ	पानी की बूँदें अटकी हुई थीं।
मूँगफलियों के हरे खेतों में	मेघों से भरा था।
बाजरे के लंबे पतले पातों में	पीले फूल अभी भी गीले थे।

Thiruvananthapuram Educational District

(3) सही प्रस्ताव चुनकर लिखें।

क) बहुत बरसने के कारण अभी बारिश की संभावना नहीं थी।

ख) सारा आकाश मेघों से भरा था।

ग) मूँगफलियों के हरे खेतों में सफ़ेद फूल अभी भी गीले थे।

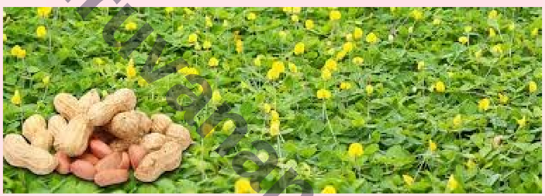

घ) खेतों में छोटा-छोटा बाजरा उगा था।

....

(4) सही ✓ या गलत ✗ चिह्न लगाएँ।

क) पेड़ों के तने अभी भी गीले थे। ☐

ख) गरम हवा इधर-उधर घूम रही थी। ☐

ग) हवा में गीले खेतों की गंध घुली हुई थी। ☐

घ) खेतों में छोटा-छोटा बाजरा उगा था। ☐

ङ) सारा आकाश नक्षत्रों से भरा था। ☐

(5) स्कूल के रास्ते में ही साहिल और बेला बीरबहूटियों को खोजने के लिए निकल पड़े। बरसाती मौसम बेला को बहुत अच्छा लगा। बेला ने उस दिन अपनी डायरी में क्या लिखा होगा....ज़रा कल्पना करके लिखें।

इनसे मदद लें

- तने तक गीले हुए।
- बहुत सारा पानी बचा हुआ था।
- मेघों से भरा था।
- पीले फूल भी गीले थे।
- गीले खेतों की गंघ घुली हुई थी।
- इधर-उधर घूम रही थीं।

Thiruvananthapuram Educational District

तारीख

आहा !...आज मौसम कितना सुहाना था! सारा आकाश .... बादल तो बहुत बरस लिए थे फिर भी उसमें ....

.................वह ठंडी ,गीली हवाएँ हमारे तन को छूकर ....।

कल रात इतनी वर्षा हुई कि पेड़ों के ....।

मूँगफलियों के......................।

बाजरे के पातों पर अटकी पानी की बूँदें कितनी सुंदर थीं! बारिश की हवा के गंध का क्या कहना? उसमें तो............ ....

सच कहूँ तो मैंने आज मौसम का खूब मज़ा लिया......

Thiruvananthapuram Educational District

प्रश्न.3 निम्नलिखित खंड पढ़कर प्रश्नों के उत्तर लिखें।

दीपावली की छुट्टियों के बाद जब स्कूल खुला तो बेला के सिर पर सफ़ेद पट्टी बँधी थी। कोई उसे "होए हेए होए सफ़ेद पट्टी" कह रहा था तो कोई "सुल्ताना डाकू" तो कोई कुछ और कहकर चिढ़ा रहा था।"ये क्या हो गया बेला" साहिल ने परेशान होते हुए पूछा।"छत से गिर गई" बेला ने हँसते हुए कहा और कहा, "बहुत दिन हो गए, आज खेल घंटी में गांधी चौक में लंगड़ी टाँग खेलेंगे।""नहीं खेलेंगे। तेरे सिर में फिर से लग जाएगी तो...? ""नहीं लगेगी" बेला ने ज़िद की। और वे हमेशा की तरह सारे बच्चों के साथ गांधी चौक की बालू में पूरी खेल घंटी लंगड़ी टाँग खेले।इन बच्चों को अपने चारों ओर खेलते देखकर गांधीजी की मूर्ति ऐसी दिखाई पड़ती जैसे और समय से कुछ अधिक मुस्करा रही हो।

(1) बेला कहाँ से गिर गई?

क) नीम के पेड़ से

ख) स्टूल से

ग) छत से

(2) नमूने के अनुसार पूरा करें।

बेला छत से गिर गई।

साहिल छत से ....।

(3) वाक्य पिरमिड़ की पूर्ति करें।

इनसे मदद लें

गाँधी चौक में लंगड़ी टाँग

हम खेलेंगे।

....

....

खेल घंटी में हम गाँधी चौक में लंगड़ी टाँग खेलेंगे।

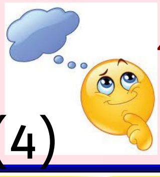

(4) अगर हम इस प्रसंग को पटकथा का रूप दें तो कैसा होगा?

सीन–1

स्थान - स्कूल का बरामदा।
समय - सुबह करीब 9 बजे।
पात्र - साहिल और बेला। दोनों स्कूली वर्दी पहने हैं।
दृश्य - बेला के सिर पर पट्टी देखकर साहिल परेशान होकर उसके पास चला आता है।

साहिल : अरे...यह क्या हुआ बेला?
बेला : ....
साहिल : क्या तुम्हें दर्द हो रही है?
बेला : ....
साहिल : नहीं खेलेंगे।तेरे सिर में फिर से लग जाएगी तो....?
बेला : ....

Thiruvananthapuram Educational District